(d) the steps being taken by Government on the recommendations of the working group?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) During the triennium 1991—93 the average per capita/day availability of energy from indigenous production was 2400 kcal (average daily per caput net availability of energy) including 1624 kcal from foodgrains and 776 kcal from other foods.

(c) and (d) The main recommendations of the Working Group on Foodgrains Requirements by the year 2000 A.D. set up under the Chairmanship of Shri M.S. Dayal are as under:

(i) Our current foodgrains production exceeds the normative requirements of out population by about 10%.

(ii) Under-nutrition is a matter of inadequate access of the poor to food.

(iii) In average Indian diets, if calorie requirements are met, there is no protein inadequacy.

(iv) The normative foodgrains requirement for the year 2000 A.D. assuming a population of one billion, is assessed to be 180 million tonnes (cereals, millets and pulses).

(v) Increase in foodgrains production would require a strong market pull which can be provided by a mix of aggressive exports and public stockholding.

The recommendations have been noted in the Ministry.

गुजरात में उर्वरकों की आवश्यकता

1339. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरौला:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात सरकार ने वर्तमान फसल मौसम के लिए कुल कितने उर्वरकों की मांग की है;

(ख) इस समय राज्य में किन-किन उर्वरकों की अधिक मांग है और क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा उर्वरकों की पूरी मांग की आपूर्ति की जाती है;

(ग) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार गुजरात की उर्वरकों की अपेक्षित मांग को पूरा करने में असमर्थ है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में कौन से उपचारात्मक कदम उठाये गए हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) और (ख) फास्फेटयुक्त तथा पोटाशयुक्त उर्वरकों के दिनांक 25.8.1992 से तथा निम्न विश्लेषण नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के दिनांक 10.6.94 से विनियंत्रण के उपरान्त यूरिया ही एकमात्र उर्वरक है जो सांविधिक मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत आता है, और इसकी आवश्यकता का मूल्यांकन प्रत्येक फसल मौसम अर्थात् खरीफ (अप्रैल से सितम्बर) एवं रबी (अक्तूबर से मार्च) से पहले राज्य सरकारों और उर्वरक उद्योग के परामर्श से किया जाता है। तथापि, राज्य सरकारों से सभी रासायनिक उर्वरकों की संभावित आवश्यकता संबंधी सूचना मौसम से पूर्व अग्रिम रूप से प्राप्त कर ली जाती है। गुजरात में खरीफ 1995 मौसम के दौरान यूरिया की प्राक्कलित आवश्यकता तथा अन्य उर्वरकों की संभावित आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:—

क्र० सं०	उत्पाद	प्राक्कलित/संभावित आवश्यकता (लाख मीटरी टन)
1.	यूरिया	4.80
2.	अमोनियम सल्फेट	3.05
3.	कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट	0.75
4.	डाई-अमोनियम फास्फेट	2.50
5.	सिंगल सुपर फास्फेट	1.95
6.	मिश्रण	4.60
7.	म्यूरियेट आफ पोटाश	0.34

(ग) तथा (घ) खरीफ 95 के दौरान यूरिया की 4.80 लाख मीटरी टन की आवश्यकता की तुलना में गुजरात को 30.6.95 तक 2.93 लाख मीटरी टन यूरिया उपलब्ध कराया गया। विनिर्माताओं से प्राप्त सूचना के अनुसार गुजरात में 30.6.1995 तक 2.40 लाख मीटरी टन यूरिया की बिक्री की गई। इस प्रकार गुजरात को यूरिया की सप्लाई में कोई कमी नहीं हुई है।